BSKLA-135

B.A. in Applied Sanskrit/अनुप्रयुक्त संस्कृत में स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(BAASK)

सत्रीय कार्य

(जुलाई, 2023 एवं जनवरी, 2024 सत्रों के लिये)

BSKLA-135 संस्कृत भाषा और साहित्य

मानविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

संस्कृत भाषा और साहित्य : BSKLA-135

सत्रीय कार्य (2023-24)

पाठ्यक्रम कोड : BSKLA-135/2023-24

प्रिय छात्रो/छात्राओ,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिये 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये:

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिये।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता :.....

दिनाँक :.....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :.....

सत्रीय कार्य कोड :.....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :.....

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन: सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास: उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबन्धात्मक या टिप्पणी परक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट: याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई, 2023 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2024

जनवरी, 2024 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2024

सत्रीय कार्य : BSKLA-135 संस्कृत भाषा और साहित्य

सत्रीय कार्य – BSKLA-135/TMA/2023-24 पूर्णांक - 100

नोट – **इस सत्रीय कार्य में दिए गए सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।**

(भाग –क) व्याख्या आधारित प्रश्न

1. अधोलिखित पद्यांश/गद्यांश की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 2×10 = 20

(अ) किमेकं यज्ञियं साम, किमेकं यज्ञियं यजुः ।
का चैषां वृणुते यज्ञं, कां यज्ञो नातिवर्तते ।।

अथवा

त्वमेव तावत्परिचिन्तय स्वयं, कदाचिदेते यदि योगमर्हतः ।
वधूदुकूलं कलहंसलक्षणं, गजाजिनं शोणितविन्दुवर्षि च ।।

(ब) तत्र रविर्भाभिराददानो जगतः स्नेहं वायवस्तीव्ररूक्षाश्चोपशोषयन्तः शिशिरवसन्तग्रीष्मेषु यथाक्रमं रौक्ष्यमुत्पादयन्तो रूक्षान् रसांस्तिक्तकषायकटुकांश्चाभिवर्धयन्तो नृणां दौर्बल्यमावहन्ति ।।

अथवा

न परिचयं रक्षति । नाभिजनमीक्षते । न रूपमालोकयते। न कुलक्रमनुवर्तते। न शीलं पश्यति। न वैदग्ध्यं गणयति । न श्रुतमाकर्णयति । न धर्ममनुरुध्यते। न त्यागमाद्रियते। न विशेषज्ञतां विचारयति । नाचारं पालयति । न सत्यमवबुध्यते । न लक्षणं प्रमाणीकरोति । गन्धर्वनगरलेखेव पश्यत (जनस्य अग्रतः) एव नश्यति ।

(भाग-ख) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3 × 20=60

i) वाक्य की परिभाषा देते हुए वाक्य के भेद तथा वाक्य-रचना के प्रकारों का वर्णन कीजिए ।

ii) भारतीय संस्कृति के सन्दर्भ में नीतिशतक की उपादेयता को स्पष्ट कीजिए ।

iii) आयुर्वेद के अनुसार ऋतु-चर्या का वर्णन कीजिए।

iv) पल्लवन तथा संक्षेपण की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए ।

(भाग-ग) लघु उत्तरीय प्रश्न

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए 10×2 = 20

i) "ख" वर्ण का उच्चारण स्थान क्या है?

ii) सूची I और सूची II का मिलान करें तथा दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनें

सूची I - (1) ध (2) घ (3) द्य (4)द्ध

सूची II - (a) द् + ध (b) द + ध् (c) कवर्ग (d) द् + य (e) तवर्ग

a. 1 - e, 2- c, 3- d, 4- b

b. 1 - e, 2- c, 3- d, 4- a

c. 1 - b, 2- c, 3- d, 4- a

d. 1 - e, 2- c, 3- a, 4- b

iii) "चर्" प्रत्याहार के वर्ण लिखिए ।

iv) "भानु+उदय" में संधि होने पर निम्नलिखित में से कौन सा शब्द बनेगा -

a. भानूदय

b. भानोदय

c. भान्वोदय

d. भानवोदय

v) “कुमारसम्भव” में दोनों शब्दों से क्या अभिप्राय है?

vi“बालकाय मोदकं ददाति” इस वाक्य में बालक कौन सा कारक है?

vii) यक्ष युधिष्ठिर संवाद के अनुसार ‘दया’ क्या है?

ix) शुकनासोपदेश के अनुसार लक्ष्मी की उत्पत्ति कहाँ से हुई है?

x) 'अधिसूचना' को किसमें प्रकाशित किया जाता है ?